आदिवासी विकास विभाग में चल रहा पोस्टिंग का खेल

नियम बने तमाशा, छात्रावासों में जमे अधीक्षक!

शहडोल। जिले के छात्रावास अब शिक्षा और अनुशासन के मंदिर नहीं, बल्कि मनमानी और भ्रष्टाचार के गढ़ बन चुके हैं। शासन के साफ़ निर्देश हैं कि किसी भी छात्रावास में अधीक्षक या अधीक्षिका तीन वर्ष से अधिक पदस्थ नहीं रह सकते, लेकिन शहडोल जिले में यह नियम सिर्फ़ कागज़ों पर सीमित होकर रह गया है। यहां आधे से अधिक छात्रावासों में अधीक्षक वर्षों से जमे बैठे हैं, कुछ तो पांच साल से भी अधिक समय से एक ही जगह डटे हैं। इन अधीक्षकों ने छात्रावासों को अपनी जागीर बना लिया है। नियमों की ऐसी-तैसी कर रहे ये जिम्मेदार अधिकारी अब छात्रों की सुविधा से ज़्यादा अपने व्यक्तिगत लाभ में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। आलम यह है कि जिन अधीक्षकों की शिकायतें कई बार की जा चुकी हैं, उनके खिलाफ जांच तो शुरू हुई, पर नतीजा आज तक शून्य! जांच की फाइलें आदिवासी विकास विभाग के दफ्तरों में धूल खा रही हैं, और अधीक्षक बेखौफ़ होकर अपने कुर्सी पर टिके हैं।

अधिकारी बने मौनदर्शक

जनजातीय कार्य विभाग के साफ़ निर्देश हैं कि अधीक्षक का कार्यकाल तीन वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें वापस स्कूल में शिक्षण कार्य के लिए भेजा जाए, और तीन वर्ष बाद ही पुनः प्रभार दिया जा सकता है, लेकिन जिले के कई छात्रावासों में यह आदेश मज़ाक बन चुका है। अधीक्षक वर्षों से न केवल जमे हैं, बल्कि शासन से मिलने वाली विभिन्न मदों की राशि पर अपना खेल भी खेल रहे हैं। छात्रावासों में खाद्यान्न, राशन, स्टेशनरी और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीदी के नाम पर फर्जी बिल बनाकर भुगतान किया जा रहा है। कहीं पुराना बिल दोबारा लगाया जा रहा है, तो कहीं एक ही फर्म से कई बार सप्लाई दिखाकर पैसा निकाला जा रहा है। रसोईया और सहायकों के नाम पर भी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है, कई जगह तो रसोईया नाम मात्र के लिए हैं, लेकिन उनके वेतन हर महीने निकाले जा रहे हैं।

विभाग में चल रहा पोस्टिंग का खेल

सूत्र बताते हैं कि छात्रावासों में अधीक्षक पद पर पदस्थापना और स्थानांतरण का खेल सुविधा शुल्क के बिना आगे नहीं बढ़ता। जहां जेब गर्म, वहां पोस्टिंग पक्की। शासन के आदेश के अनुसार नज़दीकी स्कूलों के शिक्षकों को प्राथमिकता देने का प्रावधान भी बस दिखावे का हिस्सा रह गया है। अंदरखाने की सच्चाई यह है कि जिनकी जेब और पहुंच मज़बूत है, उन्हें मनचाही पोस्टिंग मिल जाती है। अफसरों की मिलीभगत से छात्रावासों में वर्षों से वही चेहरे दिख रहे हैं। यही कारण है कि अधीक्षकों की मनमानी और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। कई छात्रावासों की हालत दयनीय है , बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं, स्वच्छ पानी का अभाव और हॉस्टल भवन जर्जर अवस्था में है, मगर अधीक्षक साहब के खर्चे और फर्जी बिलों का ग्राफ लगातार ऊपर चढ़ रहा है।

जवाबदेही का अभाव, शिक्षा पर असर

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि स्कूलों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षक अपने मूल कार्य से दूर होकर अधीक्षक की कुर्सी से बंधे हैं। कई स्कूलों में शिक्षक की कमी है, लेकिन छात्रावासों में बुजुर्ग अधीक्षक मौज कर रहे हैं। न तो छात्रावासों में नियमित निरीक्षण हो रहा है, न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी को यह दिख रहा है कि छात्रों की हालत क्या है। शासन की नीतियों का हवाला देकर दफ्तरों में बैठे अधिकारी फाइलों पर हस्ताक्षर करते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कोई देखने वाला नहीं। आदिवासी बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले इन अधीक्षकों और उन्हें संरक्षण देने वाले अफसरों पर कब गाज गिरेगी, यह सवाल अब जनता पूछने लगी है।

कब टूटेगी यह स्थायी पोस्टिंग की दीवार?

जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी जब खुद यह कहते हैं कि तीन साल से ज्यादा किसी को अधीक्षक नहीं रहना चाहिए, तो सवाल उठता है कि फिर कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या ये अधीक्षक इतने प्रभावशाली हैं कि शासन के नियम भी इनके आगे झुक जाएं? जिले में अब यह चर्चा आम है कि छात्रावासों की गड़बड़ी और अधीक्षकों की लंबी पोस्टिंग के पीछे विभागीय अफसरों का भी हाथ है। यदि जल्द ही इन पर कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला जनआक्रोश का रूप ले सकता है। अब ज़रूरत है एक कठोर कार्रवाई की, जिससे यह संदेश जाए कि नियमों का पालन हर किसी पर समान रूप से लागू होता है। नहीं तो छात्रावासों में मनमानी, भ्रष्टाचार और शैक्षणिक गिरावट का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा।

खबर संक्षेप

8 अक्टूबर को स्टेण्डिंग कमेटी की बैठक

शहडोल। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने बताया कि म.प्र राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा पंचायतो की फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष, 2025 हेतु कार्यक्रम प्रसारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर 2025 को फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थानों पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा तथा उसी दिन से दावे आपत्ति प्राप्त करने का कार्य प्रारंभ होगा। अधिक से अधिक दावे आपत्तियां प्रस्तुत करने हेतु मतदाताओं को प्रेरित किये जाने के उद्देश्य से 8 अक्टूबर 2025 को पूर्वाहन 11.30 बजे से जिला कार्यालय के विराट सभागार में जिला स्तरीय स्टेण्डिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियो एवं अधिकारियो को निर्धारित समय में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने संभागीय मुख्यालय स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में आयोजित शहडोल संभागीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता में सहभागिता निभाई। मंत्री श्री जायसवाल ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि खेलकूद से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास भी विकसित होता है। खेल से व्यक्ति की फिटनेस बढती है तथा शरीर में स्फूर्ति आती है। मानसिक रूप से भी व्यक्ति मजबूत बनता है। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के लिए 100 मी., 200 मी., 400 मी., 800 मी. दौड़, भाला फेंक, तवा फेंक, लंबी कूद, ऊँची कूद, कबड्डी, वॉलीबॉल, रस्साकशी और कैरम प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। वहीं महिला वर्ग में 100 मी. एवं 200 मी. दौड़, कबड्डी और रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिलों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने लगाए जाएंगे शिविर

शहडोल। भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारता मंत्रालय की अटल वयो अभ्युदय योजना के माध्यम से राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत वरिष्ठ जनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में वरिष्ठ जनों के परीक्षण के लिए अक्टूबर माह में जनपद स्तर पर भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिमको द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया कि जनपद पंचायत गोहपारू में यह शिविर 13 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। जनपद पंचायत जयसिंहनगर में शिविर का आयोजन 14 अक्टूबर को आयोजित होगा जिसमें जनपद पंचायत जयसिंहनगर एवं नगर परिषद जयसिंहनगर के पात्र वरिष्ठ जन शामिल होंगे। जनपद पंचायत ब्यौहारी में शिविर का अयोजन 15 अक्टूबर को किया जाएगा। जिसमें नगर परिषद ब्यौहारी एवं खांड़ तथा जनपद पंचायत ब्यौहारी के वरिष्ठ जन भाग लेंगे। इसी तरह 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत सोहागपुर में शिविर का अयोजन किया जाएगा। जिसमें नगर पालिका शहडोल एवं जनपद पंचायत सोहागपुर के वरिष्ठ जन भाग लेंगे। जनपद पंचायत बुढ़ार में यह शिविर 17 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। जिसमें नगर पालिका धनपुरी, नगर परिषद बुढ़ार एवं जनपद पंचायत बुढ़ार के वरिष्ठ जन भाग लेंगे।

जिला चिकित्सालय में शव वाहन प्रकरण में लापरवाही बरकरार

नोटिस का जवाब 12 दिन बाद भी नहीं, कार्रवाई अटकी

शहडोल। जिला चिकित्सालय की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। 21 सितंबर को मृतक के परिजनों को शव वाहन न मिलने के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ द्वारा जारी नोटिस का जवाब अब तक संबंधित अधिकारियों ने नहीं दिया है। निर्धारित समय सीमा दो दिन की थी, लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद भी जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे कार्रवाई ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। गौरतलब है कि ग्राम टेंघा केशवाही निवासी अगसिया कुशवाहा पति श्यामकरण की मौत जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान 21 सितंबर को हो गई थी। परिजनों ने शव वाहन की मांग की, लेकिन चार घंटे इंतजार करने के बाद भी वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया। मजबूरी में परिवार को प्राइवेट वाहन से शव ले जाना पड़ा, जिससे अस्पताल प्रबंधन पर भारी सवाल खड़े हुए। इस अमानवीय व्यवहार की शिकायत मृतक के परिजनों ने सीएम हेल्पलाइन में भी दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ ने सहायक प्रबंधन अधिकारी और स्टुअर्ड को कारण बताओ नोटिस जारी किया था तथा दो दिनों में जवाब मांगा था, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, दोनों जिम्मेदार अधिकारियों ने आज दिनांक तक कोई जवाब नहीं दिया है। इस पर डीएचओ आर.के. शुक्ला ने बताया कि सोमवार को एक बार फिर रिमाइंडर भेजा जाएगा और यदि फिर भी जवाब नहीं मिला तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार गिरती स्थिति और जवाबदेही की कमी ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जिला अस्पताल में जिम्मेदार अधिकारी खुद को कानून से ऊपर क्यों समझते हैं? आम जनता का कहना है कि जब मौत के बाद भी सम्मान नहीं मिलता, तो स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता पर भरोसा कैसे किया जाए।

केशवाही में दुर्गा विसर्जन यात्रा पर पथराव

पुलिस की निष्क्रियता पर बजरंग दल का फूटा गुस्सा 10 अक्टूबर से आंदोलन की चेतावनी

शहडोल। जिले के केशवाही चौकी क्षेत्र अंतर्गत हिंदू समाज के सम्मान और सुरक्षा को लेकर माहौल गरम है। 3 अक्टूबर की शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा के दौरान हुई पथराव की घटना ने पूरे क्षेत्र को तनावग्रस्त बना दिया है। यह घटना शाम 7 से 8 बजे के बीच गांधी मार्केट, नया बस स्टैंड, मस्जिद के सामने उस समय हुई, जब श्रद्धालु मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए यात्रा कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नाविद इराकी की दुकान और गुड्डू खान के शेड के सामने से अचानक मोहम्मद रियाजुद्दीन, पिंटू खान, जैमुल खान, नाविद ईरानी, आसिफ खान, रजा मंसूरी, तौसी शेख, आबिद खान, साहिल खान सहित लगभग 40-50 लोगों ने महिलाओं और श्रद्धालुओं पर पथराव कर दिया। बताया जा रहा है कि इन आरोपियों ने पहले भी धमकियां दी थीं और स्थानीय स्तर पर तनाव फैलाने की कोशिश की थी। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इससे पहले भी इन्हीं लोगों द्वारा वन विभाग अधिकारी पर हमला किया गया था, जब उन्होंने गौ तस्करी में प्रयुक्त वाहन को पकड़ा था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने केशवाही पुलिस चौकी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन ने अब तक किसी भी आरोपी मुस्लिम युवक पर कार्रवाई नहीं की है। उल्टे जिन हिंदुओं ने बाजार बंद का आह्वान किया, उन्हीं पर कठोर धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पुलिस द्वारा हिंदू युवकों को रात में घर से उठाने के दृश्य सामने आने से आक्रोश और बढ़ गया है। विश्व हिंदू परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि 9 अक्टूबर तक निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई, तो 10 अक्टूबर से उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन ने कहा कि अब हिंदू समाज चुप नहीं बैठेगा, न्याय होगा तो शांति रहेगी।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को गति देगा कांग्रेस का हस्ताक्षर आंदोलन

जिलाध्यक्ष ने की विधानसभा और ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति

शहडोल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चल रहे वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को शहडोल में अब जोरदार रफ्तार मिलने जा रही है। इस अभियान को जिले की सभी विधानसभाओं और ब्लॉकों में प्रभावी बनाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति करते हुए स्पष्ट कहा कि अब समय आ गया है जब जनता के साथ हुए छल का हिसाब मांगा जाए और इस बार कांग्रेस जन आंदोलन के माध्यम से भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनजागरण खड़ा करेगी। जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान को जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में गति देने के लिए शहडोल जिला प्रभारी नीरज द्विवेदी, ब्यौहारी विधानसभा प्रभारी हरेंद्र सिंह, जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी कुलदीप निगम, जैतपुर विधानसभा प्रभारी मुबारक मास्टर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ब्लॉक स्तर पर संगठन सक्रिय

वहीं ब्लॉक स्तर पर भी सक्रिय संगठन संरचना तैयार की गई है। ब्लॉक प्रभारियों में संजय शुक्ला (पपौंध), श्रीमती गीता कोल (बुढ़वा), हरिमोहन तिवारी (ब्यौहारी), रामलखन सिंह (करकी), राजेंद्र गौतम (जयसिंहनगर), राजेश मिश्रा (अमझोर), प्रेमधारी सिंह (गोहपारू), अनुपम गौतम (सोहागपुर), नरेंद्र मरावी (सिंहपुर), संतोष सिंह सेंगर (बुढ़ार), सुश्री उमा धुर्वे (केशवाही), श्रीमती नागेश्वरी सिंह (जैतपुर) और श्रीमती संध्या सिंह (खैरहा) को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी को जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में अभियान को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लोकतंत्र की भावना को ठेस

अजय अवस्थी ने प्रभारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर बैठकें करें, जनसंपर्क बढ़ाएं और हस्ताक्षर अभियान को जन आंदोलन का रूप दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मंशा के अनुरूप 14 अक्टूबर तक पूरे जिले में यह अभियान पूर्ण किया जाना चाहिए, ताकि जनता को बताया जा सके कि भाजपा सरकार ने वोट चुराकर लोकतंत्र की भावना को ठेस पहुंचाई है। इसी कड़ी में जिला कांग्रेस कार्यालय शहडोल में आयोजित बैठक में नगर के सभी कांग्रेस पार्षद, पूर्व पार्षद, वरिष्ठजन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

सरकार कर रही अन्याय

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कहा कि जनता अब ठगी और झूठ के शासन से उबरना चाहती है। कांग्रेस इस आवाज़ को हर गली, हर पंचायत तक ले जाएगी। कार्यक्रम के उपरांत छिंदवाड़ा जिले के परासिया में जहरीली कफ सीरप पीने से 16 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत पर कांग्रेस जनों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक यह सरकार गरीबों, युवाओं और किसानों के साथ अन्याय करती रहेगी, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने दी।

धूमधाम से मनाया गया दशहरा उत्सव, हुआ रावण दहन

नगर परिषद अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुआ भव्य आयोजन

जयसिंहनगर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर परिषद जयसिंहनगर द्वारा आयोजित दशहरा उत्सव बड़े हर्षोल्लास और परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाया गया। संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में हुए इस कार्यक्रम ने पूरे नगर को धार्मिक उल्लास और सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला शुक्ला की अध्यक्षता में हुई, जहां मंचासीन अतिथियों ने प्रभु श्रीराम, माता सीता और भगवान लक्ष्मण की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद मंच से राम-रावण संवाद, धार्मिक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष संपत मिश्रा, पार्षद अरुण गौतम, रामनारायण पांडेय एवं सातिका तिवारी ने अपने उद्बोधन में दशहरा के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा असत्य पर सत्य की विजय के इस पर्व को समाज में एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया। शाम होते-होते जैसे ही रावण का विशाल पुतला प्रज्वलित हुआ, जयसिंहनगर के आकाश में आतिशबाजी की गूंज से पूरा मैदान गूंज उठा। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीराम के जयघोष के साथ बुराई के प्रतीक रावण के दहन का उत्सव मनाया। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, पार्षदगण और अधिकारीगण उपस्थित रहे जिनमें प्रमुख रूप से चक्रधारी शुक्ला, जयप्रकाश पांडेय, दिलीप पयासी, नरेंद्र शुक्ला, निर्मल द्विवेदी, नीरज शर्मा, दीपक पयासी, सुरेंद्र शुक्ला, सीता प्रसाद पांडेय, मनोज द्विवेदी, बबलू पार्षद, दिवाकर देवा पयासी, आदेश शुक्ला राजा, पंकज पांडेय, रामलाल खटीक, सूरज पयासी, राजेश गुप्ता हीरो, विजय शुक्ला, राजेंद्र शुक्ला मौले, विजय दुबे, राकेश गौतम, अरविंद हनुमान, नरेंद्र, जितेंद्र पांडे, सुमित, शंभु बसोर, राजेंद्र बसोर एवं बसंत घुरसेन शामिल रहे। कार्यक्रम में तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक अधिकारी और नगर के सैकड़ों नागरिकों की उपस्थिति ने इसे भव्य और ऐतिहासिक बना दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ, और नगरवासी देर रात तक उत्सव की रौनक में डूबे रहे।

बीएमओ की मनमानी पर फूटा जनाक्रोश

जनप्रतिनिधियों ने हटाने की मांग,नहीं हुई कार्रवाई तो होगा आमरण अनशन

जयसिंहनगर। सिविल अस्पताल एक बार फिर विवादों के दलदल में फंस गया है। लंबे समय से चर्चाओं में बने बीएमओ डॉ. आनंद प्रताप सिंह के खिलाफ अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। आरोप है कि डॉ. सिंह अस्पताल को सेवा केंद्र की जगह अपनी मनमानी और नशे की अड्डेबाजी का ठिकाना बना चुके हैं। स्थानीय सूत्रों और कर्मचारियों के मुताबिक बीएमओ डॉ. सिंह अस्पताल परिसर में ही शराबियों के साथ बैठकर नशा करते हैं और नशे की हालत में मरीजों एवं उनके परिजनों से अभद्रता और मारपीट तक कर डालते हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि पिछले तीन से चार महीनों में कई मरीजों और उनके परिजनों पर झूठी एफआईआर दर्ज कराई गई है, वह भी अस्पताल कर्मचारियों को मोहरा बनाकर।जनप्रतिनिधियों ने इसे अस्पताल के इतिहास का सबसे शर्मनाक दौर बताया है। उनका कहना है कि जहां एक ओर प्रदेश सरकार गरीबों और गर्भवती महिलाओं को आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं से मुफ्त इलाज मुहैया कराने की दिशा में काम कर रही है, वहीं जयसिंहनगर अस्पताल में बीएमओ अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी योजनाओं की साख मिट्टी में मिला रहे हैं। जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से तुरंत जांच कराकर डॉ. आनंद प्रताप सिंह को पद से हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर प्रशासन ने इस मामले को हल्के में लिया तो वे आमरण अनशन पर बैठने को विवश होंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉ. सिंह से पहले कई बीएमओ यहां पदस्थ रहे, लेकिन कभी अस्पताल में ऐसी अराजकता नहीं देखी गई। पूर्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के समय में अस्पताल सेवा और सौहार्द का उदाहरण माना जाता था, लेकिन वर्तमान बीएमओ के कार्यकाल में अस्पताल भय और भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है। जनता का कहना है कि यह सिर्फ एक डॉक्टर की मनमानी का मामला नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की साख पर प्रश्नचिह्न है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन जनता की आवाज सुनेगा या फिर जयसिंहनगर की जनता को अपनी ही सरकार के ख़िलाफ़ सडक़ों पर उतरना पड़ेगा।

सी.एम. हेल्प लाइन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता के साथ कराएं निराकरण: कलेक्टर

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा की

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विराट सभागार में समयावधि पत्रो की समीक्षा की तथा पत्रों का जवाब समय-सीमा में देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों की मानीटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा उन शिकायतों के निराकरण के जवाब संबंधित एल-1 अधिकारियों के माध्यम से दर्ज कराएं। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अनअटेन्डेड नहीं रहे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए कि 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाए। शिकायतों का निराकरण निम्नगुणवत्ता के साथ नहीं किया जाए।

कलेक्टर नें निर्देश दिए कि अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण हेतु मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपे। अपने कहा कि जिन विभागों में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें कम संख्या में हैं, उन विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी शत-प्रतिशत शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्षों से न्याय के लिए दर-दर भटक रहा बीमार अब राष्ट्रपति से लगाई गुहार

गरीब की ज़मीन निगल गया कोल इंडिया

धनपुरी

निवासी अतीकुर्रहमान नामक व्यक्ति अपनी पुश्तैनी ज़मीन कोल इंडिया के अधीन एसईसीएल अधिकारियों द्वारा कथित रूप से हड़प लिए जाने से गहरे सदमे में हैं। लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने से वह और उनका परिवार मानसिक व आर्थिक यातनाएँ झेल रहे हैं। दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित अतीक अब राष्ट्रपति से न्याय की गुहार लगाने की तैयारी में हैं।

शहडोल।

जिले के धनपुरी क्षेत्र में रहने वाले अतीकुर्रहमान पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद यासीन मोहल्ला कच्छी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 16/19 धनपुरी ने अपने साथ हुए अन्याय की दर्दभरी कहानी साझा की है। उनका कहना है कि उनकी पैतृक भूमि, जो उनके पिता स्वर्गीय मोहम्मद यासीन ने अपनी स्वर्गीय पत्नी व पुत्र क़े नाम से ली थी, जिसको स्थानीय राजस्व अधिकारियों और एसईसीएल (कोल इंडिया की इकाई) के कर्मचारियों ने मिलकर बिना किसी सूचना

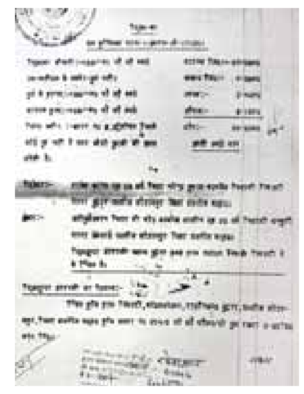

और मुआवजे के हड़प लिया। अब वह बीमार और आर्थिक रूप से टूट चुके हैं, लेकिन न्याय की उम्मीद अभी बाकी है। अतीकुर्रहमान के अनुसार, वर्ष 1996 में उनके पिता ने ग्राम छिरहटी थाना बुढ़ार स्थित 5 डिसमिल भूमि राकेशकांत पांडे नामक व्यक्ति से खरीदी थी। दस्तावेज़, पट्टा, नक्शा और खसरा उनके पास सुरक्षित हैं, लेकिन जब उन्होंने हाल ही में उस भूमि पर अपना अधिकार जमाने की कोशिश की, तो उन्हें बताया गया कि वह ज़मीन अब एसईसीएल क्षेत्र में आ चुकी है और कंपनी ने उसे अधिग्रहित कर लिया है। अतीकुर्रहमान की माता स्वर्गीय आयशा बेगम की ज़मीन का मुआवजा बना होगा, फरियादी अतीकुर्रहमान बताया कि ज़मीन का पट्टा, नक्शा खसरा,बी 1 ज़मीन क्रय क़े सारे दस्तवेज मेरे पास है।

किसी ने नहीं सुनी फरियाद

अतीक का कहना है कि बिना किसी नोटिस और मुआवजे के उनकी जमीन एसईसीएल द्वारा कब्जे में ले ली गई। जब उन्होंने तहसीलदार और पटवारी से संपर्क किया तो, उन्हें धमकाया गया कि अब न कोई जमीन तुम्हारी नहीं है और न कोई मुआवजा मिलेगा। यदि दोबारा एसईसीएल ऑफिस के अंदर दिखे तो चोरी के इल्ज़ाम में जेल भेज दिए जाओगे। उनका कहना है कि वे बार-बार थाना धनपुरी, तहसील कार्यालय और एसईसीएल अफसरों के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें निराशा और अपमान का सामना करना पड़ा। अतीकुर्रहमान ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सभी को आवेदन भेजे हैं, लेकिन आज तक किसी ने मेरी फरियाद नहीं सुनी।

दिल की बीमारी से पीड़ित है अतीकुर्रहमान

अतीकुर्रहमान बताते हैं कि यह मामला सिर्फ उनकी जमीन का नहीं है, बल्कि पूरे इलाके में एसईसीएल अधिकारियों के खिलाफ गरीबों और किसानों की जमीन जबरन अधिग्रहित करने की शिकायतें लगातार उठ रही हैं। कई गरीब परिवारों की जमीनें इस तरह कब्जे में ली जा चुकी हैं, लेकिन किसी को न्याय नहीं मिल रहा। अधिकारी मिलकर लोगों को डराते हैं, धमकाते हैं और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं, बीमार अतीक ने बताया कि वे दिल की बीमारी से पीड़ित हैं और डॉक्टरों ने जल्द ऑपरेशन कराने की सलाह दी है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वे इलाज नहीं करा पा रहे। मेरी हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है, मगर सरकारी दफ्तरों में कोई सुनने वाला नहीं। मैंने अब तय किया है कि न्याय के लिए मैं राष्ट्रपति तक जाऊँगा। अगर मेरी जमीन और इज्जत नहीं बची, तो यह देश के कानून और इंसाफ़ पर बड़ा सवाल होगा।

चोरी हुई जमीन दिलाये वापस

अतीकुर्रहमान ने कहा कि जब तक उन्हें उनका हक नहीं मिलता, वे संघर्ष जारी रखेंगे। हम गरीब लोग हैं, हमारे पास न पैसे हैं न पहुंच। लेकिन जमीन हमारी मेहनत और पिता की विरासत थी। उसे अगर किसी ने छीन लिया तो, यह हमारे जीवन का सबसे बड़ा अन्याय है। इस पूरे प्रकरण में उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, कलेक्टर शहडोल, एसपी शहडोल और एसडीएम धनपुरी को प्रतिलिपि सहित शिकायतें भेजी हैं। उनका अनुरोध है कि उनकी चोरी हुई जमीन उन्हें वापस दिलाई जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी गरीब के साथ ऐसा अत्याचार दोबारा न हो।

हर गरीब की यही व्यथा

अतीक का कहना है कि अगर प्रशासन ने जल्द न्याय नहीं दिया, तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के साथ ही राष्ट्रपति भवन तक अपनी गुहार लेकर जाएंगे। अतीक ने कहा कि मैं हार नहीं मानूंगा, क्योंकि यह सिर्फ मेरी ज़मीन का मामला नहीं, बल्कि हर उस गरीब की आवाज़ है जिसे उसकी पुश्तैनी मिट्टी से बेदखल किया जा रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए । जो विभाग प्रमुख डी ग्रेड की श्रेणी में है वे सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले,हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

भावांतर योजना के लाभ से कराया जा रहा अवगत

उमरिया।

कलेक्टर धरर्णेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन पर उमरिया कृषि विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रेक्टर रैली एवं पैदल जागरुकता रैली निकाल कर गांव के किसानों को भावांतर योजना से होने वाले लाभ से अवगत कराया जा रहा है ।

उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पूर्व की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। किसान द्वारा

ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है, ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसम मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होने किसानों को भावांतरण योजना में पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया ।

डोला से बिजुरी मार्ग 12 लाख की सड़क, 3 महीने में नाली में तब्दील

मरम्मत के नाम पर हो गया खेला

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद डोला क्षेत्र के अंतर्गत एक सड़क है डोला से बिजुरी, डोला तिराहा से ही सड़क पर चलिए, मगर सावधान होकर क्योंकि यह सड़क नहीं, कीचड़ और गड्ढों का महाकुंभ है।" हसदेव क्षेत्र के अंतर्गत बिजुरी सब एरिया द्वारा वेलकम गेट से लेकर टावर डोला तिराहा तक करीब 12 लाख 53 हजार रुपए की लागत से गड्ढों की मरम्मत का कार्य कराया गया था। उम्मीद थी, कि अब लोगों को राहत मिलेगी, वाहन फर्राटा भरेंगे और पैदल चलने वालों के पैरों से धूल कम से कम चिपकेगी। लेकिन हुआ ठीक उल्टा सिर्फ तीन महीने में ही यह सड़क अपनी पुरानी हालत से भी बदतर स्थिति में पहुँच चुकी है।

'सड़क या नाली ? जनता हैरान'

ठेकेदार ने ऐसा गुणवत्ता विहीन काम किया कि मरम्मत किए गए, गड्ढे अब फिर से गहरे खड्डों में तब्दील हो चुके हैं। थोड़ी-सी बारिश होते ही यह गड्ढे छोटे-छोटे तालाब और नालियों का रूप ले लेते हैं। अब हालत यह है कि इस सड़क से गुजरना किसी बाधा दौड़ जैसा हो गया है। लोग कदम-कदम पर कीचड़ से जूझते हैं, और वाहन चालक हर पल इस चिंता में रहते हैं, कि अगला गड्ढा टायर फाड़ देगा या गाड़ी पलट देगा।

ठेकेदार का "गुणवत्ता प्रेम"

स्थानीय निवासी बताते हैं, कि सड़क की मरम्मत में जिस गुणवत्ता का इस्तेमाल किया गया वह किसी गली-मोहल्ले के चबूतरे से भी खराब है। मानो 12 लाख रुपए से डामर नहीं, बल्कि गड्ढों पर सिर्फ फोटो खिंचवाने लायक परत चढ़ा दी गई हो। आलम यह है कि सड़क पर चलने वाले अब मजाक में कहते हैं "भाई, ये सड़क नहीं है, ठेकेदार की नीयत का आईना है।" बिजुरी स्टेशन से होकर गुजरने वाला यह मार्ग राजनगर, कोतमा और मनेंद्रगढ़ जाने का प्रमुख रास्ता है। रोजाना हजारों लोग इसी रास्ते से आवाजाही करते हैं, इसी मार्ग से स्कूल बस जाती जिसमें स्कूली बच्चे नवज्योति मिशन स्कूल माईनस कालोनी, सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, बिजुरी, सरस्वती शिशु मंदिर बिजुरी तक शिक्षा लेने के लिए प्रतिदिन जाते हैं। इस सड़क से बच्चे भी डरे और सहमे हुए हैं। मगर सड़क की यह दुर्दशा उनके लिए नित नई मुसीबतें खड़ी कर रही है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी को परेशानी झेलनी पड़ रही है। फिर भी जिला प्रशासन और संबंधित विभाग अब तक चुप्पी साधे बैठे हैं।

शासकीय धन की होली

स्थानीय लोगों का कहना है, कि यह कोई नई बात नहीं है। शासकीय पैसों का इस तरह बेजा इस्तेमाल और घटिया निर्माण कार्य कराना ठेकेदारों की "पुरानी आदत" बन चुकी है। सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, लेकिन जनता को मिलता है सिर्फ गड्ढों और कीचड़ का तोहफ़ा। सवाल यह है कि आखिर इन निर्माण कार्यों की निगरानी करने वाले अधिकारी कहाँ सो रहे हैं? लोगों का कहना है कि "मरम्मत" के नाम पर यह काम दरअसल गड्ढों की लिपाई-पुताई मात्र थी। अब स्थिति यह हो गई है कि सड़क पर चलने के लिए नाव

ज्ञानचन्द जायसवाल बने मध्यप्रदेश कलचुरी संवर्गीय महासभा अनूपपुर के जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक माँ नर्मदा की गोद में मध्यप्रदेश कलचुरी संवर्गी महासभा की कार्यकरणी बैठक का आयोजन 4 अक्टूबर को भगवान सहस्त्रबाहु की प्रतिमा में द्वीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण किया गया। जिसमे राष्ट्रीय महासचिव राकेश जायसवाल की अनुशंसा एवं मध्यप्रदेश कलचुरी संवर्गी महासभा के अध्यक्ष मुन्ना लाल जायसवाल की सहमति से मध्य प्रदेश कलचुरी समाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामशोर जायसवाल के द्वारा समाज के संरक्षक संतोष जायसवाल के अध्यक्षता में सर्वसम्मति से मध्यप्रदेश कलचुरी संमवर्गीय महासभा जिला इकाई अनूपपुर का जिला अध्यक्ष ज्ञान चन्द जायसवाल को मनोनीत किया गया। इसके बाद पूरी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे कार्यकारी अध्यक्ष राममिलन जायसवाल निगमनी, कोषाध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सचिन जायसवाल जमुना, उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल पकरी टोला, उपाध्यक्ष रामसुफल जायसवाल रेउसा, महामंत्री गिरधारी अमरकंटक, सचिव सुरेश शिवहरे जमुना, सहसचिव भोले जायसवाल चाका, सहसचिव अशोक जायसवाल सरईटोला, सहायक महामंत्री विकास जायसवाल कोतमा भालूमाडा, मंत्री निरंजन जायसवाल जर्राटोला, मंत्री रामसुफल जायसवाल चाका, मंत्री प्रभाकर जयसवाल धीरूटोला, मंत्री रामनरेश जायसवाल रेउसा, कार्यकारिणी सदस्य रोहित जायसवाल रेउसा, कौशल जायसवाल रेउसा, कार्यसमिति कृष्ण पाल जायसवाल चाका, अवधेश जायसवाल अमरकंटक, विशाल जायसवाल अमरकंटक को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। तत्पश्चात जिला संयोजक एडवोकेट रामकिशोर जायसवाल, संरक्षक संतोष कुमार जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, मोतीलाल शिवहरे सभी का अध्यक्ष ज्ञान चन्द जायसवाल एवं सभी पदाधिकारियों ने माला पहनाकर फल एवं गुलादस्ता से स्वागत किए। इसके बाद वरिष्ठ जनों द्वारा अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का माला पहनाकर फल एवं गुलादस्ता देकर स्वागत सम्मान किया गया। सभी पदाधिकारियों को समाज के सुधार एवं उत्थान के लिए कार्य करने के लिए कहा गया।

राजनगर में धूमधाम से मना दशहरा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

राजनगर में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। राजनगर गोपाल पंडाल में रावण के पुतले का दहन तथा बस स्टैंड राजनगर बाजार में रावण का दहन किया गया। गोपाल पंडाल राजनगर में हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा आयोजन समिति द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उमेश शर्मा क्षेत्रीय महाप्रबंधक हसदेव क्षेत्र रहे। जिनके द्वारा रावण का दहन किया गया। तथा नगर वासियों को दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। उसी क्रम में राजनगर बस स्टैंड में दुर्गा पूजा समिति द्वारा रावण दहन का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री दिलीप जायसवाल रहे। जिनके द्वारा रावण का दहन किया गया। तथा सभी नगर वासियों को दशहरे पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। राजनगर में दुर्गा पूजा आयोजन समितियो में प्रमुख रूप से न्यू राज नगर दुर्गा पंडाल, राजनगर बस स्टैंड दुर्गा पंडाल, बंगाली पंडाल बाबू लाइन, शांति नगर दुर्गा पंडाल, दुर्गा मंदिर सीधी दफाई, तथा दुर्गा पंडाल सेक्टर सी कॉलोनी में इस बार भी हर वर्ष की भांति इस बार भी नगर वासियों ने माता रानी के दर्शन किए।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज चचाई।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट इकाई ने मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में 365 दिनों से अधिक समय तक सतत विद्युत उत्पादन कर रही है इस अभूतपूर्व उपलब्धि के अवसर पर ताप विद्युत गृह द्वारा पहली बार एक विशाल भंडारे का आयोजन विगत 7 अक्टूबर को स्थानीय श्रम कल्याण केंद्र में दोपहर 12 बजे से आयोजित किया है जिसमें ताप विद्युत क्षेत्र के समस्त अधिकारी कर्मचारी ठेका

श्रमिक एवं निवास रत आम नागरिक को इस विशाल भंडारे में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

खबर संक्षेप

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत पशु पालकों से किया जा रहा संपर्क

उमरिया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. के.के.पांडेय ने बताया कि किसानों की पशु पालन से आय बढाने और दुग्ध उत्पादन को दो गुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से जिले में 2 अक्टूबर 2025 से 9 अक्टूबर 2025 तक दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान प्रारंभ किया गया है । अभियान के तहत प्रथम चरण में करकेली विकासखंड के ग्राम चंदवार में पशु पालको से संपर्क किया गया तथा योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदाय की गई। उन्होने कहा कि शासन व्दारा संचालित यह अभियान पशु पालको के लिए मील का पत्थर साबित होगा । यह अभियान तीन चरणों मे आयोजित होगा । अभियान से ज्यादा से ज्यादा पशु पालक जुडक़र इसका लाभ उठाए। इस दौरान अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

एसडीएम बांधवगढ़ का प्रभार डिप्टी कलेक्टर को सौंपा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कमलेश राम नीरज अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बांधवगढ की अचानक तबियत बिगडऩे पर अवकाश में होने पर प्रशासकीय कार्य व्यवस्था के दृष्टिगत कमलेश राम नीरज अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बांधवगढ़ के स्वस्थ होने तक अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बांधवगढ़ का प्रभार हरनीत कौर कलसी डिप्टी कलेक्टर उमरिया अपने कार्य के साथ साथ अगामी आदेश तक सौंपा है।

10 अक्टूबर को पटाखा विक्रय के संबंध में बैठक

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि दीपावली त्यौहार में अस्थाई आतिशबाजी पटाखा विक्रय के सुरक्षा व्यवस्था एवं स्थल का चयन कर चयनित स्थल में पटाखा की दुकान लगाने के संबंध में बैठक 10 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई है । बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

जिला शहरी विकास अभिकरण का प्रभार सीएमओ को सौंपा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण उमरिया का प्रभार कमलेश राम नीरज अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बांधवगढ़ जिला उमरिया को सौंपा गया था।श्री कमलेश राम नीरज अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बांधवगढ़ की अचानक तबियत बिगडऩे पर उपचार हेतु अवकाश पर होने पर प्रशासकीय कार्य व्यवस्था के दृष्टिगत परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण उमरिया का प्रभार किशन सिंह ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी उमरिया को अपने कार्य के साथ- साथ आगमी आदेश तक सौंपा गया है।

13 से 17 अक्टूबर तक फुटबॉल प्रतियोगिता

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 69वें राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता 14 वर्ष बालक वर्ग का आयोजन 13 से 17 अक्टूबर तक किया जाना है । प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए समिति का गठन करते हुए कार्य विभाजन किया गया है । उन्होंने कहा है कि गठित समितियो के समस्त प्रभारी एवं सदस्य सौंपे गये दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं सतर्कता के साथ निर्वहन करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

भावांतर योजनाः 60 किसानों ने कराया पंजीयन

उमरिया। उप संचालक कृषि ने बताया कि भावांतर योजना के तहत अब तक 60 किसानों ने पंजीयन कराया है । जिसमें सेवा सहकारी समिति मर्यादित करकेली में 58 किसानों ने तथा सेवा सहकारी समिति कंचनपुर में 2 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। उन्होने बताया कि पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर निर्धारित की गई है ।

खबर संक्षेप

बरसी मेला के लिए नगर निगम की तैयारियां प्रारंभ

कटनी। उपनगरीय क्षेत्र माधव नगर में बरसी मेला के आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशानुसार नगर निगम प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिसके तहत रविवार को माधव नगर क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान माधव दरबार, बाबा माधव शाह हॉस्पिटल के अंदर, सहित माधव नगर गेट से द्वारिका सिटी होते हुए पी डब्ल्यू डी मार्ग, सहित माधव नगर के अन्य मुख्य मार्गों, गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, खरपतवार की कटाई कराई जाकर अपशिष्ट का उठाव किया गया, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। निगम के स्वच्छता अमले द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों स्टेशन रोड, सुभाष चौक, घंटाघर, मिशन चौक, दुर्गा चौक, भारत चौक से जयहिंद चौक, बस स्टैंड, पन्ना मोड़ सहित विभिन्न मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों सहित नगर के मुख्य मार्गों के डिवाइडर की सफाई कर मार्गों को साफ एवं स्वच्छ रखने के प्रयास किए गए। वहीं नदी पार स्थित मुक्तिधाम परिसर सहित पहुंच मार्ग एवं नई बस्ती स्थित सरस्वती स्कूल , कनकने स्कूल प्रांगण की सफाई का कार्य स्वच्छता मित्रों द्वारा किया गया। इसके अलावा सुगम जल निकासी सुनिश्चित करने हेतु कावस जी वार्ड स्थित भट्टा मोहल्ला, श्मशान भूमि रोड, मंजू वंशकार एवं संजय वंशकार सहित नगर के अन्य स्थलों में नालियों एवं नालों की सफाई कराई सुगम जल निकासी के प्रयास किए गए।

जिले में अब तक 1162.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

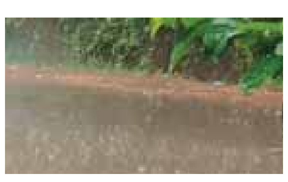

कटनी। जिले में इस वर्ष रविवार 1 जून से 5 अक्टूबर तक कुल 1162.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा इस साल रीठी तहसील में दर्ज की गई है, जहां अब तक 1481.2 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इसी अवधि में जिले में बीते वर्ष कुल 1072.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार इस साल अब तक पिछले वर्ष की तुलना में 8.4 प्रतिशत अधिक औसत वर्षा हो चुकी है। अधीक्षक भू-अभिलेख अमृता गर्ग ने बताया कि जिले में आलोच्य अवधि तक कटनी तहसील में 1217.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 1481.2 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 1040 मिलीमीटर, बरही तहसील में 1042 मिमी और विजयराघवगढ़ तहसील में 991.9 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 1057 मिमी एवं स्लीमनाबाद तहसील में 1356.8 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 1109 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

छात्र-छात्राओं ने ली नशा मुक्ति की शपथ

स्लीमनाबाद। मध्य निषेध सप्ताह के अवसर पर रविवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बहोरीबंद के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षा में नशा मुक्त संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे मद्य निषेध सप्ताह से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पोस्टर प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने बनाए पोस्टरों की प्रभावी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन लिंक से सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति की शपथ लेकर प्रमाण पत्र भी डाउनलोड किया। सामूहिक रूप से उपस्थित छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने नशा न करने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक अरविंद अरविन्द शाह, परामर्शदाता अवधेश बैरागी, रामसिंह पटेल, विनोद सिंह, आशीष तिवारी, उमा अवस्थी तथा आंकाक्षा पटेल, खुशी पाठक, नंदिता लोधी, सुष्मिता लोधी, गोरी पटेल, संगीता गोंड, छोटी बाई, सपना प्रधान, प्रतिमा, मुकेश रैदास मौजूद रहे।

मैन पावर बजट पर कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष

यूनियन ने चेताया: अबकी बार सख्त कदम उठाए जाएंगे

सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत रामपुर बटुरा ओपनकास्ट माइंस (ओसीएम) में मैनपावर बजट 2024-25 पर अब तक ठोस कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में गहरा असंतोष पनप गया है।

धनपुरी।

संयुक्त कोयला मजदूर संघ (एटक) ने प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आवश्यक पदों की पूर्ति और कर्मचारियों की समस्याओं पर गंभीर पहल नहीं की गई, तो यूनियन आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।संघ के अध्यक्ष आफताब आलम और सचिव राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पिछले कई महीनों से यूनियन लगातार मैनपावर की कमी का मुद्दा उठा रही है। इसके लिए प्रबंधन को कई बार लिखित पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं, ठोस निर्णय नहीं।उन्होंने कहा कि वर्तमान में खदान में कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से काफी कम है, जिससे उत्पादन कार्य प्रभावित हो रहा है। मौजूदा कर्मचारियों पर कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे काम का दबाव और मानसिक तनाव दोनों बढ़ रहे हैं।यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि यदि प्रबंधन ने अब भी स्थिति को हल्के में लिया, तो मजदूर संगठन आंदोलन, धरना-प्रदर्शन या हड़ताल जैसे कठोर कदम उठाने को विवश होगा।उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल मजदूरों की सुविधा का नहीं, बल्कि उत्पादन और सुरक्षा दोनों से जुड़ा है। पर्याप्त जनशक्ति न होने से खदान के कई विभागों में कार्य सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है।संघ ने प्रबंधन को जारी नोटिस की प्रतियां महाप्रबंधक (सोहागपुर क्षेत्र), उपक्षेत्रीय प्रबंधक (रामपुर बटुरा), क्षेत्रीय सहायक श्रमायुक्त (शहडोल), वरिष्ठ कार्मिक प्रबंधक, अध्यक्ष-महामंत्री एटक यूनियन (सोहागपुर क्षेत्र) और थाना प्रभारी अमलाई को भी भेजी हैं।यूनियन का कहना है कि अब इंतजार की घड़ी खत्म हो चुकी है अगर शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो मैदान में उतरने की तैयारी पूरी है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने रचा इतिहास

365 दिन लगातार विद्युत उत्पादन कर मध्यप्रदेश का बढ़ाया गौरव

शहडोल। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई ने निरंतर 365 दिन तक बिना रुके विद्युत उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह सफलता प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

जागरता शक्ति पर्व के अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी व शिक्षाविद जितेन्द्र सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अमरकंटक ताप विद्युत गृह की 210 मेगावाट इकाई ने एक वर्ष तक लगातार विद्युत उत्पादन कर मध्यप्रदेश को गौरव प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीलेश मंडलोई, एमपीजेनको के प्रबंध संचालक मनोज सिंह तथा मुख्य अभियंता तनवीर अहमद की टीम के तकनीकी ज्ञान और मेहनत से यह संभव हो पाया।

श्री सिंह ने कहा कि यह कीर्तिमान प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट की स्थापना को स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र का समग्र विकास होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता प्रदेश के जनहितैषी प्रयासों का परिणाम है। श्री सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कसौधन वैश्य जिलाध्यक्ष का शपथ ग्रहण संपन्न

शहडोल। कसौंधन वैश्य समाज जिला शहडोल एस. पैलेस में जिलाध्यक्ष एडवोकेट अशोक गुप्ता कार्यकारणी का शपथ समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मनीषा सिंह सिंह एवं विशिष्ट अतिथि महेन्द्र सराफ एडवोकेट, संरक्षक विजय गुप्ता, एड. अविनाश गुप्ता, विनय गुप्ता, बालमुकुन्द गुप्ता, अरविंद नायक, बृज किशोर गुप्ता, घनश्याम गुप्ता, रामभजन गुप्ता रहे। शपथ लेने वाले सुनील गुप्ता, मनोज गुप्ता, ओम प्रकाश, शत्रुधन, अजय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण गुप्ता एवं आभार राहुल गुप्ता ने किया। जिले में कसौंधन बंधु बुढ़ार, धनपुरी, पाली, केशवाही, अमराडंडी से सैकड़ों पुरूष, महिलाएं शामिल रहे।

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

आज भक्तिमय वातावरण में होगी कलश यात्रा सात दिनों तक चलेगा धार्मिक आयोजन

धनपुरी।

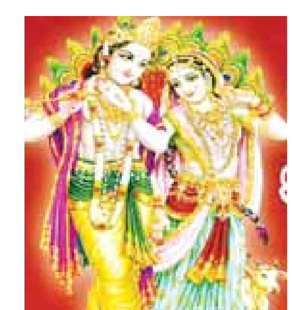

वार्ड नंबर 4 सिद्दीकी कॉलोनी, विकास लॉज के पास स्थित निवास परिसर में मंगलवार 7 अक्टूबर से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ होने जा रहा है। यह कथा आयोजन स्व. श्रीमती रामरती सोनी जी की पुण्य स्मृति में उनके पति रमेश प्रसाद सोनी एवं सोनी परिवार द्वारा श्रद्धाभाव से कराया जा रहा है।आयोजन की शुरुआत मंगलवार सुबह 10 बजे कलश यात्रा से होगी, जो माँ ज्वालामुखी मंदिर से जल लेकर सोनी परिवार के निज निवास तक पहुंचेगी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएँ कलश धारण कर शामिल होंगी। कलश यात्रा के उपरांत देवपूजन, श्रीमद् भागवत महापुराण बैठकी एवं कथा महात्म्य का आयोजन किया जाएगा।कथा का संचालन श्रीधाम वृंदावन के सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं. आचार्य श्री निशिकृष्ण पाण्डेय जी महाराज करेंगे। प्रतिदिन प्रातः 7 से 11 बजे तक पूजन एवं पारायण तथा दोपहर 3 बजे से हरि इच्छा तक कथा का आयोजन रखा गया है।आयोजन में सात दिनों तक श्रीकृष्ण, राम, वामन, ध्रुव, प्रह्लाद, अजामिल जैसे भक्त चरित्रों की दिव्य कथाएँ श्रद्धालुओं को सुनाई जाएंगी। कार्यक्रम क्रमवार इस प्रकार रहेगा : 7 अक्टूबर (मंगलवार) – कलश यात्रा, देवपूजन, श्रीमद् भागवत महापुराण बैठकी एवं कथा महात्म्य,8 अक्टूबर (बुधवार) – श्री भगवान चरित्र, कपिलोपाख्यान एवं ध्रुव चरित्र, 9 अक्टूबर (गुरुवार) – श्री जड़ भारत कथा, अजामिलोपाख्यान एवं भक्त प्रहलाद चरित्र,10 अक्टूबर (शुक्रवार) – श्री वामन चरित्र, श्रीराम चरित्र एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव,11 अक्टूबर (शनिवार) – श्रीकृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग,12 अक्टूबर (रविवार) – महारास लीला, गोपी-उद्धव संवाद एवं श्रीकृष्ण-रुकमणी विवाह13 अक्टूबर (सोमवार) – श्री सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, व्यास पूजन, चढ़ौत्री,14 अक्टूबर (मंगलवार) – हवन एवं भंडारा, वरणी व प्रसाद वितरण दोपहर 1 बजे सेश्रद्धालुओं से अपील कथा के मुख्य श्रवणकर्ता रमेश प्रसाद सोनी ने समस्त भागवत प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार सहित इस दिव्य कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

दशहरा समिति ने शांति, अनुशासन, ऊर्जा, व्यवस्था स्वछता विभाग को शील्ड प्रदान कर किया सम्मानित

बुढार।

नगर में दशहरा उत्सव समिति में उत्कृष्ट सेवा शांति व्यवस्था, ऊर्जा, एवं स्वछता विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को सोमवार को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। दशहरा समिति अध्यक्ष सोनू आहुजा एवं संयोजक श्रीमती शालिनी सरावगी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव,थाना प्रभारी संजय जायसवाल एवं पुलिस विभाग के कर्मचारियों, विधुत विभाग कनिष्ठ अभियंता विकास गोंदूणे, हिमांशु पाण्डेय को स्मृति चिन्ह एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। दशहरा अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि दशहरा उत्सव में भव्यता प्रदान करने वाले नगर के प्रमुख विभागों का यदि सहयोग नहीं मिलता तो कार्यक्रम को इतनी भव्यता प्रदान नहीं सभी विभागों के अधिकारियों के द्वारा दिये गये सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

3 महीने बाद भी कार्यवाही नहीं

बरही। बडवारा विकासखंड के अंतर्गत बरही संकुल के दद्दरा टोला बिचपुरा स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में हुई अतिथि शिक्षक भर्ती प्रकिया में गड़बड़ी करने वाले दोषी शिक्षक पर शिक्षा विभाग मेहरबान है। जिला कलेक्टर की जनसुनवाई क्रमांक 20 दिनांक 1 अक्टूबर 2024 की शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी कटनी ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी बड़वारा को बरही तहसील के दद्दरा टोला बिचपुरा स्कूल की जांच के लिए नियुक्त किया गया था जिसमें बड़वारा ब्लाक के तत्कालीन बीईओ ने जांच पूरी कर जिला शिक्षा अधिकारी कटनी को पत्र प्रस्तुत किया गया था जांच में प्राप्त अभिमत के आधार अनुसार शासकीय माध्यमिक शाला दद्दरा टोला बिचपुरा के तत्कालीन प्रधानाध्यापक मान सिंह मरावी के कार्यों एवं एसएमडीसी के कार्यों में भारी अनियमिताएं पाई गई जिसके कारण अतिथि शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया में पारदर्शिता को दरकिनार करते हुए नियम विरोध कम अंक वाले अतिथि शिक्षकों को निजी हित साधने के लिए नियुक्ति दे दी गई और सर्वाधिक स्कोर के आधार पर नियुक्त होने वाले अतिथि शिक्षक के. के. मिश्रा को अपात्र कर दिया था जिसमें प्रथम दृष्टिकोण के आधार पर प्रभारी प्रधान अध्यापक मान सिंह मरावी दोषी पाए गए थे। बीईओ का जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा तत्कालीन प्रधानाध्यापक मानसिंह मरावी को दोषी मानते हुए उनके उक्त कृत्य को सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1965 में अंकित कंडिका के विपरीत होने के कारण 17 मार्च 2025 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया जिसका जवाब संबंधित शिक्षक मान सिंह मरावी उच्च पद प्रभार व्याख्याता (मूल पद उच्च श्रेणी शिक्षक) के द्वारा प्रस्तुत किया गया जिस पर उन्होंने` लिखा था कि कंप्यूटर नेटवर्क के संबंध में मुझे पूर्ण जानकारी न होने पर मैं अपने अधीनस्थ काम करने वाले सहकर्मी संतोष कुमार सोनी (माध्यमिक शिक्षक) को नेट संबंधित कार्य करने हेतु आई डी पासवर्ड अवश्य दिया था युक्त जबाब से संतुष्ट न होते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने उक्त तथ्य को स्वीकार योग्य नहीं पाया गया था।

किसानों को भावान्तर योजना का लाभ दिलाने बैठक सम्पन्न

17 अक्टूबर तक किया जाएगा किसानों का पंजीयन

शहडोल।

कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सोयाबीन उत्पादक किसानो को भावान्तर योजना का लाभ देने के लिए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, विधायक ब्यौहारी शरद कोल एवं जनपद पंचायत के अध्यक्षो, किसान संघो तथा सम्बंधित व्यापारी संघो के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया कि अतिवृष्टि एवं कीट व्याधि के प्रकोप के कारण सोयाबीन की फसल प्रभावित हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानो को होने वाले नुकसान की भरपाई भावान्तर योजना के माध्यम से करने का निर्णय लिया है। आपने बताया कि अधिक से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसान भावान्तर योजना के तहत 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक सोसायटी स्तर पर स्थापित पंजीयन केन्द्र ग्राहक सेवा केन्द्र, एमपी ऑनलाइन, कियोस्क, एमपी किसान ऐप के माध्यम से कराए।

कलेक्टर ने सहायक संचालक कृषि को निर्देश दिए की अधिक से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावांतर योजना से लाभान्वित करने हेतु मुनादी, पम्पलेट, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि 15 दिवस में भावांतर की राशि का किसान के आधार लिंक बैंक खाते में सीधे अंतरण की जाएगी। भावांतर योजना के तहत एम एस पी से कम लेकिन मंडी मॉडल रेट से अधिक भाव प्राप्त होने पर विक्रय मूल्य और एम एस पी के अंतर की राशि,एम एस पी और मंडी मॉडल रेट दोनों से कम भाव प्राप्त होने पर मंडी मॉडल रेट और एम एस पी के अंतर की राशि प्रदान की जाएगी। कलेक्टर ने मंडी मॉडल रेट के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विगत दो सप्ताह में विक्रय की गई सोयाबीन का औसत विक्रय मूल्य प्रतिदिन निर्धारित होता है।

संग्रहण वाहन से 15 से अधिक मंदिरों से एकत्रित की जा रही पूजन सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम का पूजन सामग्री संग्रहण वाहन प्रतिदिन शहर के विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर निःशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस वाहन के माध्यम से मंदिरों में एकत्रित पूजन सामग्री को पर्यावरण हित में एकत्र कर उसका उचित निस्तारण किया जा रहा है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशन में संचालित यह सेवा नगर के धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध हो रही है। वाहन प्रतिदिन निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए मंदिर-मंदिर पहुंचकर पूजन सामग्री एकत्र करता है, जिससे इन स्थलों पर गंदगी फैलने से रोका जा सके। वाहन के माध्यम से रविवार को वार्ड क्रमांक 16 स्थित काली माता एवं दुर्गा मीता मंदिर सहित पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के गायत्री शक्तिपीठ, सोमनाथ मंदिर,कामेश्वर महादेव मंदिर, महाकाल शक्तिपीठ मंदिर, काली माता मंदिर, साईं मंदिर, सन्यासी बाबा मंदिर, हनुमान जी का मंदिर, खेर माता मंदिर,तिलक कॉलेज रोड स्थित शंकर मंदिर, नागेश्वर धाम मंदिर सहित चित्रगुप्त मंदिर से पूजन सामग्री का संग्रहण किया ।

सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक अर्जुन यादव को विद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

शहडोल।

जिले के सोहागपुर विकासखंड के शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय ऐंताझर में पदस्थ सहायक शिक्षक अर्जुन यादव ने 35 वर्ष की शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा भावपूर्ण विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा जगत और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं उपसरपंच सुशील शर्मा, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा तथा जिला शिक्षा केंद्र के परियोजना समन्वयक अमरनाथ सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य डी.सी. शुक्ला ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों में बीईओ सोहागपुर एस.पी. सिंह चंदेल, बीआरसी समन्वयक महेन्द्र मिश्रा, सरपंच मैकू बैगा, शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष लालजी तिवारी, शिक्षक कांग्रेस के अख्तर, कमलेश मिश्रा तथा क्षेत्र के अनेक प्राचार्य शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने वातावरण को भावुक बना दिया। मंचासीन अतिथियों का तिलक, वंदन और माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

अतिथियों ने अपने उद्बोधनों में श्री यादव के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल शिक्षा दी, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार और जीवन मूल्यों का संचार भी किया। सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा ने कहा कि सेवानिवृत्ति एक नई शुरुआत है और श्री यादव अब भी अपने अनुभवों से समाज को दिशा देते रहेंगे। बीईओ एस.पी. सिंह चंदेल ने कहा कि अर्जुन यादव ने अपने कार्यकाल में समर्पण, सादगी और निष्ठा की मिसाल पेश की है।

विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने श्री यादव को शाल-श्रीफल, प्रतीक चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में श्री यादव ने कहा कि यह लंबा सफर सहयोगियों और विद्यार्थियों के समर्थन से सफल हुआ, और वे आगे भी समाज सेवा से जुड़े रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गोवर्धन कुशवाहा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापक चांद सिंह पट्टावी ने दिया। समारोह के उपरांत श्री यादव ने अतिथियों के साथ निर्माणाधीन हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर पौधारोपण किया और मंदिर निर्माण के शीघ्र पूर्ण होने की कामना की।

इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक शिक्षक, जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। समारोह ने विद्यालय परिसर को भावनाओं, स्मृतियों और सम्मान की सुगंध से भर दिया।

खबर संक्षेप

करवा चौथ की खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़

अनूपपुर। करवाचौथ व्रत की तैयारी के लिए बाजार में महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। 10 अक्टूबर को होने वाले इस पर्व के लिए रेडीमेड गारमेंटस, साड़ियों, श्रृंगार सामग्री और ज्वेलरी की खरीदारी तेजी से हो रही है। रेडीमेड गारमेंटस, साड़ियों, श्रृंगार सामग्री से लेकर ज्वेलर्स तक की खरीदारी के लिए दुकानों पर महिलाओं की भीड़ दिखाई दे रही है। ब्यूटीशियन व मेहदी रचनेवाली की अभी से व्रती महिलाएं बुकिंग कर रही हैं। इस बार करवाचौथ पर्व 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा। जिसमें अब पांच दिनों का समय शेष रह गया है। करवाचौथ पर्व पर होने वाली खरीदारी को लेकर दुकानदार भी तैयारी कर लिये हैं और कपड़े समेत अन्य आइटम मंगाकर दुकानें सजा दी गयी हैं। कपड़ों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है। कास्मेटिक दुकानों पर भी खरीदारी करने के लिए महिलाएं पहुंच रही हैं। शिल्क साड़ियों की डिमांड ज्यादा बढ़ गयी हैं। हालांकि फैंसी सूट की बिक्री भी कम नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में भी इस व्रत को लेकर महिलाएं खरीदारी कर रही हैं। अभी नवरात्र व दशहरा का त्योहार संपन्न हुए चंद दिन ही हुए है। इस दौरान भी खरीदारी के लिए बाजार में भीड़ उमड़ रही थी। अब करवाचौथ के त्योहार को लेकर खरीदारी शुरू हो गई है। अभी धनतेरस, दिपावली, छठ जैसे पर्व भी बाकी हैं। ऐसे में बाजार में लोगों की आवाजाही बढ़ने से व्यापारी काफी खुश हैं। महिलाओं द्वारा खूब खरीदारी की जा रही है। डिजाइनर साड़ियों व लहंगों की खूब मांग बढ़ गई है। कपड़ों से लेकर ज्वेलरी, पूजा थाल, श्रृंगार का समान सभी तरह की आकर्षक वैरायटी बाजार में उतारी गई हैं। दुकानों के अलावा बुटीक पर भी ब्रांडेड ड्रेसेस की मांग की जा रही है। करवाचौथ में लाल रंग की साड़ी, सूट की ज्यादा मांग है। मेहंदी रचानेवाली व ब्यूटीशियन की बुकिंग अभी से शुरू हो गई है। चूड़ी और कास्मेटिक की दुकानों पर भी महिलाओं और युवतियों की भीड़ दिख रही है। नगर के गांधी चौक स्टेशन चौक पुराना स्टेट बैंक चौक के बाजार में करवा चलनी सहित अन्य पूजा की सामग्री की दुकानें सज गई हैं। महिलाओं की भीड़ बाजार में पहुंचकर खरीदारी में जुटी हुई है।

पशुपालकों को दी गई नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य की जानकारी

अनूपपुर। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना से अधिक करने और उसके माध्यम से पशुपालक किसानों की आय बढ़ाने के संकल्प को पूरा करने के लिये प्रदेश में "दुग्ध समृद्धि सम्पर्क" अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पशुपालन विभाग का अमला गांवों में घर-घर जाकर पशुपालकों से व्यक्तिशः संपर्क कर रहा है और उन्हें पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन दे रहा है। साथ ही पशुपालकों की समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। यह अभियान 9 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के तहत उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. बी. बी. चौधरी ने शनिवार को हर्री, बर्री, सेंदुरी, मौहरी ग्रामों में भ्रमण कर पशुपालकों के घर पहुंचकर पशुपालन के संबंध में चर्चा की तथा पशुओं की नस्ल सुधार, खासकर सीमन से बछियां ही जन्मे, दुग्ध उत्पादन में और कैसे वृद्धि हो ताकि दुग्ध की पूर्ति सुगमता से हो और पशुपालकों की आमदनी में इजाफा हो, पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की नई तकनीक के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने किसानों और पशुपालकों से आग्रह किया कि इस अभियान से जुड़कर पशुपालन को बढ़ावा दें और अधिक से अधिक लाभ कमाएं। भ्रमण के दौरान पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. योगेश दीक्षित, पशु चिकित्सा शल्यज्ञ एवं तकनीकी अधिकारी डॉ. पूजा मोहबे, रामनिरंजन पोर्ते, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

4.8 मिमी वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 4.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 1मिली मीटर, बिजुरी में 19.2 मिली मीटर, जैतहरी में 2 मिली मीटर, वेंकटनगर में 1मिलीमीटर, अमरकंटक में 12.2 मिलीमीटर तथा बेनीबारी में 2.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र कोतमा तथा पुष्पराजगढ़ वर्षा निरंक दर्ज गई।

मनमाने तरीके से कर्मचारियों का शोषण कर रही इग्नटू की बिग्स कंपनी

आउट सोर्सिंग कर्मियों ने की न्याय की मांग

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों ने कुलपति से गुहार लगाई है कि उनके साथ बिग्स कंपनी द्वारा लगातार अन्यायपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कर्मियों ने बताया कि कंपनी बिना किसी पूर्व सूचना के कर्मचारियों का ट्रांसफर और वेतन कटौती कर रही है। कर्मियों का कहना है कि लगभग 17-18 कर्मचारियों का ट्रांसफर बिना पूर्व सूचना के गुजरात कर दिया गया वही बिना कोई कारण बताये 28 कर्मचारियों की वेतन राशि में पिछले चार महीनों से कटौती की जा रही है। कंपनी द्वारा महीने के 31 दिनों में 27 दिन काम कराया जाता है, लेकिन केवल 26 दिनों का ही वेतन दिया जाता है। आउटसोर्स कर्मियों ने मांग की है कि सभी कर्मियों को बीमा की सुविधा दी जाए। ठेका प्रथा को समाप्त किया जाए तथा विश्वविद्यालय प्रशासन स्वयं भुगतान की जिम्मेदारी संभाले। कर्मियों का कहना है कि जब वे अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखते हैं, तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि "आप तो कंपनी के कर्मचारी हैं, विश्वविद्यालय के नहीं।" कर्मियों ने स्पष्ट किया कि वे इग्नटू के लिए ही काम करते हैं और विश्वविद्यालय के कार्य को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कुलपति से आग्रह किया है कि बिग्स कंपनी की मनमानी की जांच की जाए। आउटसोर्सिंग कर्मियों को न्याय दिलाया जाए साथ ही भविष्य में उनकी जिम्मेदारी और निगरानी सीधे विश्वविद्यालय प्रशासन के अधीन हो। कर्मियों ने विश्वास जताया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनके साथ न्याय करेगा और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इस दौरान आदिवासी छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. रोहित मरावी ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर अहम भूमिका निभाई।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने रचा नया कीर्तिमान

लगातार 365 दिन तक विद्युत उत्पादन कर किया गौरवान्वित

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

जगराता शक्ति पर्व के अवसर पर मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट यूनिट ने लगातार 365 दिन 1 वर्ष तक विद्युत उत्पादन कर मध्यप्रदेश ही नही अपितु संपूर्ण भारत में नया कीर्तिमान रिकार्ड उपलब्धि हासिल कर समूचे म.प्र. को विशेषकर अनूपपुर एवं शहडोल संभाग को गौरवान्वित किया है। क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद् जितेन्द्र सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह द्वारा 365 दिन तक अनवरत विद्युत उत्पादन का रिकार्ड बनाने पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुये कहा कि इस उपलब्धि के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मण्डलोई, एम.डी. मंजीत सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन व निर्देशन में अमरकंटक ताप विद्युत गृह के मुख्य अभियंता तनवीर अहमद ने पूरी टीम के साथ अपने तकनीकी एवं इंजीनियरिंग के ज्ञान का उपयोग कर 210 मे.वा. क्षमता की यूनिट से अनवरत 365 दिन एक वर्ष तक उत्पादन का रिकार्ड बनाकर कीर्तिमान स्थापित कर म.प्र. शासन की सरकार को तथा क्षेत्रवासियों को गौरवान्वित किया है जिससे समूचे जनमानस में हर्ष का माहौल निर्मित हुआ है तथा भविष्य के लिये अन्य पॉवर प्लांट के लिये भी प्रेरणा स्त्रोत का कार्य किया है। श्री सिंह ने 660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल यूनिट की स्थापना की स्वीकृति होने तथा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को निविदा मिलने पर अपार हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि म.प्र. की जनहितैषी सरकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में अनमोल विकास के पथ पर अग्रसर होकर कार्य कर रही है। नये पॉवर प्लांट की स्थापना होने से क्षेत्रवासियों को नये रोजगार के अवसर सृजन होंगे तथा क्षेत्र का बहुन्मुखी विकास होगा।

गांजा परिवहन मामले में 4 साल से फरार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

छत्तीसगढ़ी कलाकार बनकर पुलिस को दे रहा था चकमा

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम व एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना कोतमा पुलिस ने वर्ष 2021 के एक एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार चल रहे आरोपी छत्तीसगढ़ी फिल्मी कलाकार को गिरफ्तार किया है। घटना 17.03.21 को केवई पथरौड़ी के पास एक क्षतिगस्त अर्टिगा कार क्रमांक सीजी 04 यू 5214 से 111 पैकेटों में कुल 219.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ था, जिसे थाना कोतमा पुलिस ने एनडीपीएस की धाराओं में जप्त कर विवेचना में लिया था। विवेचना दौरान मामले में अर्टिगा चालक आरोपी सोनू उर्फ हेमराज सपहा (निषाद) निवासी कुरूध जिला धमतरी (छ.ग.) को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि मामले का अन्य आरोपी मास्टरमाइंड अजय त्रिपाठी निवासी चारामा जिला कांकेर (छ.ग) फरार चल रहा था। पता तलाश के दौरान जानकारी मिली कि आरोपी अजय त्रिपाठी छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में काम करता है तथा उसके कई एलबम भी छत्तीसगढ़ी फिल्मों के है। आरोपी अजय त्रिपाठी की गिरफ्तारी हेतु म.प्र. विधानसभा में आश्वासन प्रश्न भी लगा हुआ था। थाना प्रभारी कोतमा निरी. रत्नाम्बर शुक्ल के नेतृत्व में काफी प्रयास तथा लगातार कई बार की दबिश के उपरान्त कोतमा पुलिस टीम ने साइबर टीम अनूपपुर के साथ मिलकर 5 अक्टूबर को फरार आरोपी छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकर अजय त्रिपाठी पिता सुखनारायण त्रिपाठी उम्र 35 साल निवासी ग्राम दाई का पुरवा थाना कौशाम्बी जिला कौशाम्बी (उ.प्र.) हाल निवासी वार्ड क्र0 08 चारामा थाना चारामा जिला कांकेर छ.ग. को कौशाम्बी (उ.प्र.) से गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी अजय त्रिपाठी पूर्व में भी थाना सोहेला जिला बरगढ़ (उड़ीसा) के एनडीपीएस केस में पदमपुर जेल (उड़ीसा) में बंद रह चुका है। आरोपी अजय त्रिपाठी को माननीय न्यायालय पेश किया गया तथा पूछताछ कर मामले मे आगे और विवेचना की जावेगी। फरार आरोपी अजय त्रिपाठी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी कोतमा निरी. रत्नाम्बर शुक्ल के साथ सहायक उपनिरीक्षक विनय सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, आरक्षक मनोज उपाध्याय, जितेन्द्र मंडलोई तथा साइबर सेल से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार, आरक्षक पंकज मिश्रा की मुख्य भूमिका रही।

विद्या भारती सप्त शक्ति संगम का किया गया आयोजन

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में हुई प्रेस वार्ता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विद्या भारती द्वारा आयोजित सप्त शक्ति संगम एक राष्ट्रव्यापी, मातृशक्ति-केंद्रित विशेष कार्यक्रम है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय महिलाओं में निहित सात शक्तियों (सप्त शक्ति) को जागृत करना और उन्हें सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देश भर में आयोजित किया जा रहा है, जिसका अंतिम लक्ष्य एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण है।

कार्यक्रम का यह है उद्देश्य

'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम के केंद्र में भारतीय नारी को उसकी सुप्त शक्तियों, क्षमताओं और भारतीय संस्कृति में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराकर उसे संगठित और जागरूक करना है। प्रमुख उद्देश्यों मे मातृशक्ति का प्रबोधन और सशक्तिकरणः भारतीय नारियों को जागृत करना और उनकी सुप्त क्षमताओं से उन्हें परिचित कराना। परिवार में माता की भूमिका को सुदृढ़ करना ताकि परिवार और समाज का सशक्त निर्माण हो सके। पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसमें मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना। प्रश्नोत्तरी और चर्चाओं के माध्यम से महिलाओं को धर्म और संस्कृति से जुड़े ज्ञान से जोड़ना। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच प्रणों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भी किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम की रूपरेखा और लक्ष्य

यह कार्यक्रम देश भर में विद्या भारती के विद्यालयों के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है और प्रायः अक्टूबर से लेकर अगले वर्ष बसंत पंचमी तक एक विशेष अवधि के दौरान चलता है। कार्यक्रम में कार्यशालाएं और महिला सम्मेलन, प्रबोधन सत्र और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, महान नारियों का चरित्र चित्रण गतिविधियाँ शामिल हैं। विद्या भारती ने इस अभियान में 75 लाख माताओं और बहनों को जोड़ने का राष्ट्रीय लक्ष्य रखा है। इस विशेष कार्यक्रम में संगठनात्मक नेतृत्व भी महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती सुधा मालवीय रहीं, जबकि आकांक्षा शुक्ला ने सह संयोजिका की भूमिका निभाई। विद्यालय की अध्यक्षा पुष्पेंद्र सोनी ने संरक्षक के तौर पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की दीदी श्रीमती संध्या शिवहरे ने किया, और अतिथियों का स्वागत किशोर भारती अध्यक्ष बहन सोनाली मिश्रा ने किया। पत्रकारों की सहभागिता इस कार्यक्रम को व्यापक रूप देने में महत्वपूर्ण रही। यह कार्यक्रम भारतीय महिलाओं को उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका के प्रति जागरूक करके, एक आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अज्ञात तत्वों ने इस्तियाक कूलर दुकान में लगाई आग

अनूपपुर। विगत दिवस शाम करीब 5.30 बजे शंकर मंदिर चौक के पास इस्तियाक कूलर दुकान पर अज्ञात तत्वों द्वारा आग लगा दी गई। जानकारी के मुताबिक बीते दो अक्टूबर को दुकान संचालक के बेटे के द्वारा पास के ही एक गांव की 19 वर्षीय एक हिन्दू समाज की लड़की को लेकर भाग गया था। जिसे लेकर लड़की के परिजनों द्वारा कोतवाली अनूपपुर मे रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई, लेकिन लगातार पुलिस की खोजबीन के बाद भी फरार लड़के लड़कियों का पता नही चला जिससे कुछ आक्रोशित लोगों द्वारा इस्तियाक की दुकान पर आगजनी की घटना की गई वही दुकान मे लूटपाट की भी जानकारी भी मिली है। जैसे ही आस पड़ोस के लोगों ने पुलिस अनूपपुर कोतवाली को जानकारी दी तत्काल निरीक्षक अरविंद जैन अपने टीम के साथ पहुंचकर दुकान मे लगी आग को बुझाया वही आक्रोशित लोग पुलिस को देखकर भाग खड़े हुये। समाचार लिखे जाने तक किसी बड़े हादसे व किसी अप्रिय घटना की जानकारी नही है वही पुलिस दुकान की सुरक्षा व्यवस्था पर जवानों को लगा दिया गया है जबकि दुकान संचालक अभी भी फरार बताया जा रहा है।

शरद पूर्णिमा विशेष

नर्मदा मंदिर अमरकंटक के पुजारी पंडित दिनेश द्विवेदी ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पतित पावनी मां नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर के पुजारी पंडित दिनेश द्विवेदी वंदे महाराज के अनुसार शरद पूर्णिमा महत्व प्रतिपादन हिन्दू धर्म और भारतीय संस्कृति में शरद पूर्णिमा का विशेष स्थान है। यह कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को आती है और इसे कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन चन्द्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और पृथ्वी पर अमृत की वर्षा करता है। धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक सभी दृष्टियों से यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने वृन्दावन में गोपियों के साथ महान रास लीला रचाई थी। इस कारण इसे रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। देवी लक्ष्मी की आराधना का भी यह विशेष दिन है। रात भर जागरण कर माँ लक्ष्मी का ध्यान करने से समृद्धि की प्राप्ति होती है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में चन्द्रमा की किरणों में अमृत तत्व होने की मान्यता है। इसी कारण लोग इस रात को खीर बनाकर चन्द्रमा की चांदनी में रखकर प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं।

आध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्व- यह दिन उपासना और साधना के लिए उत्तम माना जाता है। ध्यान, जप, और भक्ति करने से साधक को शीघ्र फल मिलता है। इस दिन का जागरण आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत करने वाला माना जाता है। शरद ऋतु में आकाश स्वच्छ होता है और चन्द्रमा की किरणें सीधे पृथ्वी पर पहुँचती हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से माना गया है कि चन्द्रमा की किरणों में शीतलता और औषधीय गुण होते हैं। पूर्णिमा की रात चन्द्रमा से निकलने वाली किरणों में यूवी रेज और सकारात्मक ऊर्जा अधिक होती है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। चन्द्रमा की रोशनी में रखी गई खीर या अन्य खाद्य पदार्थ पर इन किरणों का प्रभाव पड़ता है, जिससे वह पचने में सरल और शरीर के लिए गुणकारी हो जाते हैं।

सामाजिक महत्व- शरद पूर्णिमा की रात को परिवार, मित्र और समाज के लोग एकत्रित होकर खीर खाते हैं और जागरण करते हैं। यह पर्व सामाजिक मेल-जोल और आनंद का भी प्रतीक है। पंडित धनेश द्विवेदी वंदे महाराज ने शरद पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "शरद पूर्णिमा की रात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के लिए स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करती है। चन्द्रमा की किरणें इस दिन अमृत तुल्य होती हैं, जिनका सेवन खीर प्रसाद के रूप में करने से तन और मन दोनों शुद्ध होते हैं। श्रीकृष्ण की रासलीला का यह पर्व हमें बताता है कि भक्ति में लीन होकर साधक अपने जीवन में आनंद और आत्मिक शांति प्राप्त कर सकता है।" शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान और संस्कृति का अद्भुत संगम है। यह दिन जहाँ श्रीकृष्ण की रासलीला और लक्ष्मी पूजन का संदेश देता है, वहीं पंडित धनेश द्विवेदी वंदे महाराज के अनुसार यह स्वास्थ्य, आध्यात्मिक उन्नति और जीवन के आनंद का भी प्रतीक है।

विभिन्न मांगों के संबंध मे प्रांतीय संयोजक ने आउटसोर्स कर्मियों के साथ की बैठक

मांगें नही माने जाने पर काम बंद आंदोलन की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव सोमवार को अनूपपुर पहुंचे। जिन्होने सहायक अभियंता कार्यालय अनूपपुर परिसर मे आउटसोर्सकर्मियों की बैठक मे दीपावली के दिन सामूहिक अवकाश लेकर शासन को विभिन्न मांगों को लेकर ध्यान आकर्षण करवाने के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होने बताया कि मप्र के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों के दीपावली को प्रस्तावित काम बंद आंदोलन को लेकर म.प्र. के सभी 55 जिलों मे ज्ञापन सौंपने संबंधी अभियान शुरू कर दिया गया है। ज्ञापन में प्रमुख मांगे जिनमे म.प्र. की सभी छह बिजली कंपनी में जो निकट भविष्य में करीब 50 हजार रिक्त पदों को मौजूदा एवं सेवा से पृथक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों की विभागीय परीक्षा लेकर उसी प्रकार भरा जाए जैसे ठेका प्रथा लागू होने से पहले पिछले 50 सालों में बिजली डेली वेजेस मस्टर कर्मियों को कच्चे से पक्का किया जाता रहा। इस 50 हजार की भर्ती के बाद भविष्य में होने वाली सीधी भर्ती में अतिथि शिक्षकों की तर्ज पर 50 प्रतिशत पद ऊर्जा विभाग राजपत्र के जरिए बिजली आउटसोर्स कर्मियों को आरक्षित करे व छोटे पद बना कर रेगुलर करें। तमिलनाडु की तर्ज पर मप्र में मुख्य कार्य सीधी भर्ती से कराएं। मप्र के राज्यपाल के हस्ताक्षर होने के बाद राजपत्र क्रमांक 494 दिसम्बर 2020 के मुताबिक बोनस 8.33 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया उसे उसी तिथि से लागू कर 57 माह की 11.67 प्रतिशत की दर से बोनस एरियर राशि हर ठेका श्रमिक को दी जाए, केंद्र सरकार के आउटसोर्स कर्मियों के बराबर मप्र के आउटसोर्स को न्यूनतम वेतन दें, पिछले 20 सालों के दौरान म. प्र. में मिनिमम वेजेस 5 साल की जगह हर बार 9 साल में रिवाइज हुआ, इस घाटे की भरपाई एडिशनल वेजेस देकर की जाए। भाजपा विधानसभा चुनावी संकल्प पत्र के पृष्ठ 81 पर अमल कर आउटसोर्स को संविदा का दर्जा व संविदा समान सुविधा दें। मप्र में ठेकेदारी कल्चर समाप्त कर आउटसोर्स रिफॉर्म नीति बनाई जाए, बिजली कंपनी का निजीकरण नहीं किया जाए। ठेकेदार व बिचौलियों को हटाकर हरियाणा, आंध्र प्रदेश व उप्र राज्य की तर्ज पर मप्र आउटसोर्स सेवा निगम बनाए, 5 वर्ष से अधिक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों को उड़ीसा राज्य की तर्ज पर एक हजार रुपए अतिरिक्त पारिश्रमिक भत्ता दें। कम्प्यूटर व सब स्टेशन संयंत्र ऑपरेटर को कुशल की जगह उच्च कुशल श्रेणी का वेतन दिया जाए, रात्रि पाली में काम करने पर रात्रि भत्ता दें, 10 प्रतिशत आउटसोर्स हेल्पर की जगह सभी आउटसोर्स लाइन हेल्पर, विद्युत सहायक, संयंत्र व सब स्टेशन ऑपरेटरों को जोखिम भत्ता दें। वर्ष 2006 में ठेका प्रथा प्रारंभ होने से लेकर अब तक विद्युत दुर्घटना में मरे व विकलांग ठेका श्रमिकों के परिजनों को बिना शर्त मुआवजा दें एवं मौजूदा मुआवजा राशि 4 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की जाए एवं विद्युत दुर्घटना मृतक के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाये।

सामूहिक अवकाश लेने पर होंगे विवश - ज्ञापन में कहा गया कि नियमित कर्मियों की भांति आउटसोर्स कर्मी 62 वर्ष तक सेवा में रखे जाएं, पूर्व में या आंदोलन के दौरान हटाए गए आउटसोर्स कर्मी बिना शर्त वापिस रखे जाएं। प्रत्येक आउटसोर्स कर्मी को एक वर्ष में 15 आकस्मिक अवकाश, साप्ताहिक अवकाश, 10 मेडिकल अवकाश एवं सभी राष्ट्रीय त्योहारों पर काम के एवज में एडिशनल वेजेस दिया जाए, मध्यक्षेत्र कंपनी में आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटरों को सीपीसीटी पास करने की बाध्यता समाप्त कर इसे एच्छिक किया जाए। अल्प वेतन पाने वाले ठेका श्रमिकों को 5 कि.मी. से अधिक दूर ट्रांसफर नहीं किया जाए एवं मध्यक्षेत्र कंपनी ने जून 2025 के दौरान एक ही दिन में 9800 से अधिक आउटसोर्स कर्मियों के ट्रांसफर 10 से 40 कि. मी. दूर किए हैं वह निरस्त किए जाएं। बढ़ा हुआ न्यूनतम वेतन एरियर राशि कम देने या नहीं देने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर उन पर पेनाल्टी लगाई जाए एवं ठेकेदारों की मौजूदा बैंक गारंटी व सुरक्षा निधि राशि 5 गुना बढ़ाई जाए। विद्युत सहायक बनाए गए मीटर रीडर का 5 लाख का बीमा बिजली कंपनी कराए, जिन सब स्टेशनों में रिलीवर ऑपरेटर नहीं हैं वहां रिलीवर ऑपरेटर पदस्थ हों एवं उन्हें अन्य कामों में नहीं लगाया जाए, बिजली आउटसोर्स की प्राइवेट सेवा पुस्तिका बनाई जाए। आए दिन बिजली तार व मीटर चोरी होने एवं मारपीट की वारदातों की रोकथाम हेतु म. प्र. के प्रत्येक वितरण केंद्र व सब स्टेशन में सुरक्षा गार्ड, हेल्पर की तैनाती की जाए। श्री भार्गव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगे नही मानी तो धनतेरस से दीपावली तक कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेने पर विवश होंगे।